



**UPSC CSE Mains 2018**  
**Philosophy (Optional)**  
**Paper-1**



## खण्ड-A/Section-A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये:

10 × 5 = 50

Write short answers to the following in about 150 words each:

- (a) क्या ह्यूम के लिये इन दो सत्यों- 'कल सूर्योदय होगा' एवं ' $2 + 2 = 4$ ' में समान अनिवार्यता है। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिये।

Are the two truths – 'The Sun will rise tomorrow' and ' $2 + 2 = 4$ ' of the same necessity for Hume? Give reasons in favour of your answer.

- (b) लाइबनिज़ जब 'पूर्व-स्थापित सामंजस्य' की बात करता है, तब उसके दर्शन में स्वतंत्रता के लिये कोई स्थान है क्या? विवेचन कीजिये।

Is there any place for freedom in Leibniz's philosophy, when he speaks of 'pre-established harmony'? Discuss.

- (c) 'भाषा एक खेल है' इसके अनुमोदन में 'कुल-साम्य' की संकल्पना विट्गेन्स्टाइन की कैसे सहायता करती है? विवेचन कीजिये।

How does the notion of 'family resemblance' help Wittgenstein to uphold that 'Language is a game'? Discuss.

- (d) सार्त्र अप्रामाणिकता का आत्मप्रवचन से कैसे संबंध स्थापित करता है? सार्त्र यह क्यों दर्शाते हैं कि अप्रामाणिकता एवं आत्मप्रवचन विसंबंधन की ओर ले जाते हैं? विवेचन कीजिये।

How does Sartre connect inauthenticity with bad faith? Why does Sartre show that inauthenticity and bad faith lead to alienation? Discuss.

- (e) स्ट्रॉसन अपने दर्शन में व्यक्ति (पर्सन) की संकल्पना की व्याख्या किस प्रकार करता है? विवेचन कीजिये।

How does Strawson explain the concept of person in his philosophy? Discuss.

2. (a) डेकार्टेस, स्पिनोज़ा और लाइबनिज़ की द्रव्य की परिभाषाओं एवं वर्गीकरणों में भिन्नता का क्या कारण है, इस तथ्य के बावजूद कि वे सभी तर्कबुद्धिवादी संप्रदाय से ताल्लुक रखते हैं? विवेचन कीजिये।

What is the reason for the difference in the definitions and classifications of substances made by Descartes, Spinoza and Leibniz in spite of the fact that they all belonged to the rationalist school of thought? Discuss.

20

- (b) 'बोध प्रकृति का निर्माण करता है', कान्ट की इस अभिव्यक्ति के महत्त्व की व्याख्या कीजिये। इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं कि हेगेल का निरपेक्षवाद, कान्ट के द्वैतवाद की पराकाष्ठा है? विवेचन कीजिये। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिये।

Explain the significance of the Kantian dictum, 'Understanding makes Nature'. How far do you agree that Hegel's Absolutism is the culmination of the Kantian Dualism? Discuss. Give reasons in favour of your answer.

15

- (c) क्वाइन कैसे दर्शाता है कि कान्ट द्वारा विवेचित प्रागनुभविक ज्ञान का अभिप्राय 'तत्त्वमीमांसीय आस्था का एक विषय' है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिये।

How does Quine show that the notion of a priori knowledge as discussed by Kant is 'a metaphysical article of faith'? Give reasons for your answer.

15

3. (a) बर्कले यह कैसे स्थापित करता है कि केवल मन एवं इसके विचार ही वास्तविक हैं? मूर एवं रसेल, बर्कले के इस मत की कैसे प्रतिक्रिया करते हैं? मूर एवं रसेल की इस प्रतिक्रिया में क्या आपको कोई भिन्नता मिलती है? विवेचन कीजिये।

How does Berkeley establish that Mind and its ideas alone are real? How do Moore and Russell react to Berkeley's view in this regard? Do you find any difference between Moore's reaction and Russell's one? Discuss.

20



- (b) तार्किक प्रत्यक्षवादी यह कैसे दर्शाते हैं कि तत्त्वमीमांसीय कथन निरर्थक हैं? क्या उनकी अर्थ के सत्यापन की थियोरी सभी वैज्ञानिक कथनों की सार्थकता हेतु मान्य हो सकती है? विवेचन कीजिये।

How do the logical positivists show that metaphysical sentences are meaningless? Can their verification theory of meaning account for the meaningfulness of all scientific sentences? Discuss. 15

- (c) दर्शन की अधिकतर निर्णायक समस्याओं के बोध के लिये एकमात्र मार्ग के रूप में विट्गेंस्टाइन 'जो कहा जा सकता है' और 'जिसे दिखाया जा सकता है' में कैसे भेद करता है? क्या वह औचित्यपूर्ण है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिये।

How does Wittgenstein apply the distinction between 'saying' and 'showing' to point to a single way of apprehending the most decisive problems of philosophy? Is he justified? Give reasons for your answer. 15

4. (a) असंबंधन (इपोखे) क्या है? हाइडेगर सांवृतिक (फेनॉमेनॉलॉजिकल) अपचयन की इस विधि को कैसे अस्वीकृत करता है? अनुभवातीत अहम् की संकल्पना के विरुद्ध हाइडेगर की 'जगत् में होना' की संकल्पना की व्याख्या कीजिये। What is Epoché? How does Heidegger reject this method of phenomenological reduction? Explain Heidegger's concept of 'being in the world' as opposed to the concept of a transcendental ego. 20

- (b) क्या प्लेटो के प्रत्यय एवं जगत् के बीच संबंध की व्याख्या तार्किक रूप से सुसंगत है? इसके संबंध में अरस्तू के विचारों की विवेचना कीजिये एवं अपने उत्तर के पक्ष में तर्क भी दीजिये।

Is the relation between the Idea and the World as discussed by Plato logically consistent? Discuss Aristotle's views regarding this and also given arguments in favour of your answer.

- (c) रसेल की निश्चायक वर्णन की थियोरी, उसके तार्किक परमाणुवाद से कैसे संबंधित है? विवेचन कीजिये और अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिये।

How is Russell's theory of definite description related to his Logical Atomism? Discuss and give reasons for your answer.

### खण्ड-B/Section-B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Write short answers to the following in about 150 words each:

- (a) वैशेषिक दार्शनिक इन दो मामलों-(i) टेबल का भूरा (ब्राउन) रंग और (ii) टेबल पर पुस्तक, के बीच संबंधों की भिन्नता की व्याख्या कैसे करते हैं? विवेचन कीजिये।

How do the Vaiśeṣika philosophers explain the difference of the relationships in the two cases – (i) the brown colour of the table and (ii) the book on the table? Discuss.

- (b) माध्यमिक बौद्ध अपने 'शून्यता' सिद्धांत की स्थापना के लिये 'प्रतीत्यसमुत्पाद' सिद्धांत का किस प्रकार अनुप्रयोग करते हैं? विवेचन कीजिये।

How do the Mādhyamika Buddhists apply the notion of Pratītyasamutpāda to establish their doctrine of Śūnyatā? Discuss.

- (c) अद्वैत वेदांत दर्शन में 'ब्रह्म' की अवर्णनीयता (अनिर्वचनीयता) एवं 'माया' की अवर्णनीयता (अनिर्वचनीयता) में क्या भेद है? विवेचन कीजिये।

What is the difference between the indescribability (Anirvacanīyatā) of Brahman and the indescribability (Anirvacanīyatā) of Māyā in the Advaita Vedānta system? Discuss.

- (d) बौद्ध एवं न्याय दार्शनिक, 'टेबल पर जार की अनुपस्थिति है', हमारे इस ज्ञान की व्याख्या किस प्रकार करते हैं? विस्तृत उत्तर दीजिये।

How do the Buddhists and the Nyāya philosophers explain our knowledge of 'the absence of the jar on the table'? Answer in detail.



- (e) 'पुरुष' एक है या अनेक? इस संबंध में सांख्यसम्मत स्थिति की व्याख्या कीजिये एवं अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिये।  
Is Puruṣa one or many? Explain the Sāṅkhya position in this regard and give arguments in support of your answer.
6. (a) नैयायिक ईश्वर के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करते हैं? क्या योग दार्शनिक ईश्वर को उसी प्रकार सिद्ध करते हैं? यदि हाँ, तो कैसे? और यदि नहीं, तो क्यों? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिये।  
How do the Naiyāyikas prove the existence of God? Do the Yoga philosophers prove God in the same way? If yes, how? And if no, why? Give reasons for your answer. 20
- (b) बौद्ध के लिये 'नैरात्म्यवाद' एवं 'निर्वाण' दोनों सिद्धांतों को एक साथ स्वीकार करना क्या सुसंगत है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिये।  
Is it consistent for the Buddhists to admit the theory of Nairātmyavāda and the doctrine of Nirvāṇa simultaneously? Give reasons in favour of your answer. 15
- (c) जैन दार्शनिक 'बंधन' की व्याख्या कैसे करते हैं? उनके अनुसार 'मुक्तात्मा' एवं 'बद्धात्मा' में क्या भिन्नता है? 'मुक्तात्मा' की अवस्था के विषय में जैनियों का क्या विचार है? विवेचन कीजिये।  
How do the Jaina philosophers explain 'bondage'? What according to them, is the distinction between 'liberated soul' and 'bound soul'? What do the Jainas think about the condition of the 'liberated soul'? Discuss. 15
7. (a) 'विशिष्टाद्वैत', 'द्वैत', 'शुद्धाद्वैत' एवं 'अचिन्त्यभेदाभेद' दर्शनों में पाई जाने वाली 'मोक्ष' की संकल्पना का एक तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिये।  
Give a comparative exposition of the concept of Mokṣa as found in the systems of Viśiṣṭādvaita, Dvaita, Śuddhādvaita and Acintya-bhedābheda. 20
- (b) अद्वैत वेदांती सांख्य दर्शन के 'प्रकृतिपरिणामवाद' की कैसे प्रतिक्रिया करता है? इस संबंध में सांख्य दर्शन अपनी स्थिति का किस प्रकार बचाव करते हैं। विवेचन कीजिये।  
How do the Advaita Vedāntins react to the Prakṛtipariṇāmavāda of the Sāṅkhya philosophy? How do the Sāṅkhyas defend their own position in this regard? Discuss. 15
- (c) शंकर द्वारा प्रतिपादित 'माया' के सिद्धांत का रामानुज कैसे खण्डन करते हैं? रामानुज एवं शंकर दोनों को अपने-अपने सिद्धांतों की स्थापना के लिये 'माया' की क्यों आवश्यकता है? विवेचन कीजिये।  
How does Rāmānuja refute the doctrine of Māyā as propounded by Śaṅkara? Why is Māyā needed by both Rāmānuja and Sankara to establish their doctrines? Discuss. 15
8. (a) क्या 'स्वयंप्रकाशवाद' की स्वीकृति अनिवार्यतः 'स्वतःप्रामाण्यवाद' की स्वीकृति उत्पन्न करती है? इस संदर्भ में नैयायिकों, मीमांसकों एवं अद्वैत वेदांतियों के मतों का वर्णन कीजिये।  
Does the admission of Svayaṁprakāśavāda necessarily lead to the admission of Svataḥprāmāṇyavāda? Discuss after the Naiyāyikas, the Mīmāṃsakas and the Advaita Vedāntins. 20
- (b) क्या चार्वाक द्वारा अनुमान का खण्डन अन्य भारतीय दर्शन-सम्प्रदायों को स्वीकार है? यदि नहीं, तो क्यों? क्या आपके विचार से अन्य सम्प्रदायों के विचार औचित्यपूर्ण हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिये।  
Is Cārvāka rejection of inference acceptable to the other systems of Indian philosophy? If not, why? Do you think the views of other systems to be justified? Give reasons for your answer. 15
- (c) श्रीअरविंद के अनुसार विकास क्या है? उनके दर्शन में वर्णित त्रिविध रूपांतरण के प्रक्रम और प्रज्ञानी प्राणी के स्वरूप का विवेचन कीजिये।  
What is Evolution according to Sri Aurobindo? Describe the process of triple transformation and the nature of gnostic being in his philosophy. 15